सहायक शिक्षक के पद हेतु परीक्षा योजना

(हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम दोनों पद हेतु)

कुल अंक – 150

1. बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र	:–	30 अंक
2. सामान्य हिन्दी	:–	25 अंक
3. सामान्य अंग्रेजी	:–	25 अंक
4. गणित	:–	30 अंक
5. पर्यावरण अध्ययन	:–	20 अंक
6. कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान	:–	10 अंक
7. सामान्य ज्ञान	:–	10 अंक

उप संचालक एवं
नोडल अधिकारी
लोक शिक्षण संचालनालय
अटल नगर रायपुर

पाठ्यक्रम

1. बाल विकास और शिक्षा शास्त्र

इकाई 1: बाल विकास परिचय –

- विकास की अवधारणा, विकास की अवस्थाएँ– गर्भावस्था, शैशवावस्था, प्रारंभिक व उत्तर बाल्यावस्था, किशोरावस्था।
- शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक, संवेगात्मक विकास।
- विकास को प्रभावित करने वाली बातें–प्रकृति एवं पोषण, निरंतरता व अनिरंतरता, प्रारंभिक एवं परवर्ती (बाद के) अनुभव।
- बाल विकास की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- बच्चों का अध्ययन – कुछ तरीकों से परिचय।

इकाई 2: विकास के पहलू –

(क) शारीरिक व गत्यात्मक विकास, शारीरिक नियंत्रण व समन्वयन का विकास

(ख) संवेगात्मक एवं नैतिक विकास –

कुछ सामान्य सिद्धांत, शरीर के अंगों के अनुपात में बदलाव, ऊँचाई व वजन की वृद्धि, शारीरिक बनावट में बदलाव, नियंत्रण का विकास (स्थूल एवं सूक्ष्म), संवेगात्मक विकास, नैतिक विकास विद्यालय एवं घर का वातावरण, मित्र/साथी समूह एवं वयस्कों के साथ संबंध, बाल विकास की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, व्यक्तित्व का विकास एवं समाजीकरण।

इकाई 3: सीखना एवं संज्ञान का विकास –

- सीखना क्या है और बच्चे कैसे सीखते हैं?
- विविध धारणाओं की समीक्षा–व्यवहारवादी, संरचनावादी, सामाजिक संकल्पनाएं, संज्ञान क्या है?
- बच्चों की सोच पर जीन पियाजे के विचार, ज्ञान निर्माण के तरीके स्कीमा (Schema), सम्मिलन (Assimilation), समायोजन (Accommodation), व्यवस्थापन (Organization), संतुलनीकरण (Equilibration).
- किशोरों की सोच के लक्षण, मानसिक संक्रियाएँ क्या है? शैशव अवस्था से किशोरावस्था तक सोच का विकास व उसकी कड़ियाँ, संवेदी–क्रियात्मक अवस्था, पूर्व–संक्रियात्मक

शैक्षणिक महत्व, लेव वैगोत्सकी, रचनावाद, निकट विकास क्षेत्र, स्केफोल्डिंग, शिक्षक की भूमिका ।

- बच्चा एक समाधानकर्ता तथा वैज्ञानिक अनुसंधानकर्ता।
- बच्चों का वैकल्पिक अवधारणाओं को सीखना।
- सीखने की प्रक्रिया में बच्चों द्वारा की जाने वाली गलतियाँ सीखने की प्रक्रिया का एक सार्थक पद है, इसे समझना।
- अभिप्रेरण और सीखना।

इकाई 4: विशेष आवश्यकता वाले बच्चे –

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों से अभिप्राय, क्षति, अपंगता एवं अक्षमता, विभिन्नताओं में समानता, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ कार्य ।

ज्ञान और शिक्षाकम –शिक्षाकम की जरूरत, शिक्षाकम की अवधारणा, पाठ्यकम की अवधारणा, शिक्षाकम निर्माण की समस्याएं, शिक्षाकम के चुनाव के आधार, शिक्षा का अधिकार अधिनियम –2009, शिक्षकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व, बाल अधिकार ।

2. भाषा–1 (हिन्दी)

इकाई–1 : वर्ण विचार

स्वर, व्यंजन, अक्षर, वर्तनी, लिंग, वचन आदि।
संधि (स्वर–संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि),

इकाई–2 : शब्द विचार

शब्द रूप और शब्द रचना ,
स्रोत के आधार पर शब्दों के वर्ग– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी;
अर्थ के आधार पर शब्द भेद –पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द।

इकाई–3 : शब्द रचना

उपसर्ग, प्रत्यय, समास, , अनेक शब्दों या वाक्यांश के लिए एक शब्द।

इकाई–4 : पद व पद–भेद

संज्ञा, संज्ञा के प्रकार, कारक–चिह्न, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, ।

इकाई–5 : वाक्य परिचय

वाक्य के अंग, वाक्य के भेद, पदक्रम।

इकाई–6 : रचना

मुहावरे तथा लोकोक्तियां ,अपठित गद्यांश

इकाई–7 : बच्चों की भाषाई विकास की प्रक्रियाः–

भाषा विकास के चरण । बच्चे स्कूल आने से पहले क्या–क्या, सीख कर आते हैं। बच्चे भाषा कैसे सीखते हैं। स्कूल आने वाले बच्चों में भाषा सीखने की प्रक्रिया के गुण । बच्चों की भाषा सीखने की क्षमता ।

इकाई–8 बच्चों में भाषाई क्षमता एवं उनका विकासः–

पढना क्या है? अर्थ निकालने की प्रकिया। भाषा ,अर्थ ग्रहण करना एवं

अर्थ निर्माण । भाषा सुनना,बोलना,पढ़ना,लिखना और इसका अंतः संबंध ।

इकाई–09 : मूल्यांकन :– 03

भाषा में मूल्यांकन क्यों?एवं उसकी प्रकृति बच्चों में भाषा क्षमता के आकलन के संभावित तरीके भाषा सीखने, लिखने व पढ़ने की प्रक्रियाओं में गलतियों की भूमिका।

3. भाषा–2 (अंग्रेजी)

A) Comprehension

Two unseen prose passages with questions on: comprehension, grammar and verbal ability

i) Comprehension (7 marks)

ii) Grammar (4 marks)

iii) Vocabulary (4 marks)

B) Pedagogy of Language Development

- Learning and acquisition
- Principles of Language Teaching
- Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool
- Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form
- Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders
- Language Skills
- Evaluating language comprehension and proficiency: speaking, listening, reading and writing
- Teaching – learning materials: Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom
- Remedial Teaching

4. (गणित)

इकाई 1: गणित की प्रकृति

गणितीय विचार किस तरह विकसित होते हैं ? गणित का स्वरूप।

गणितीय तरीके से सोचना अमूर्तीकरण ,विशिष्टीकरण और व्यापकीकरण।

इकाई 2: गणित सीखना–सिखाना व आकलन

सीखने का मॉडल बनाना ,सीखना यानी रटना (बैंकिंग मॉडल),सीखना यानी प्रोग्रामिंग, सीखना यानी समझ का निर्माण ,शिक्षण की प्रचलित प्रथाएँ ,कक्षा में रचनावाद आकलन,अमूर्त सोच का विकास ,अवधारणात्मक व प्रक्रियात्मक ज्ञान।

इकाई 3

3.1 दशमलव प्रणाली –
मीट्रिक प्रणाली ,लम्बाई,क्षेत्रफल,आयतन,द्रव्यमान,समय के माप।

3.2 संख्याएं –पूर्ण सम,विषम,अभाज्य एवं विभाज्य संख्याएं ,आरोही व अवरोही क्रम, स्थानीयमान।

3.3 साधारण भिन्न एवं दशमलव भिन्न –भिन्नों की परस्पर तुलना ,इसके नियम दशमलव भिन्न को साधारण भिन्न में बदलना।

3.4 संख्यात्मक व्यंजकों का समीकरण –व्यंजक का सरलीकरण, BODMAS का प्रयोग।

3.5 वर्गमूल. वर्गमूल निकालने की विधियां – गुणनखण्ड व भाग विधि, दशमलव वाले संख्याओं का वर्गमूल निकालना।

3.6 महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य –महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य क्या है ? इससे संबंधित समस्याओं के हल हेतु सूत्र।

3.7 औसत - औसत निकालने की विधि।

3.8 प्रतिशत -प्रतिशत का अर्थ ,प्रतिशत को दशमलव व दशमलव को प्रतिशत में बदलने की विधि।

3.9 साधारण ब्याज -सधारण ब्याज क्या है? इससे संबंधित प्रश्नों के सूत्र।

3.10 लाभ तथा हानि -क्रय–विक्रय मूल्य ,लाभ –हानि, इन्हें प्रतिशत व रूपयों में व्यक्त करना।

3.11 अनुपात व समानुपात के नियम -अनुपात ,समानुपात साधारण नियम।

3.12 चाल ,समय,दूरी -चाल ,समय,दूरी निकालने का सूत्र।

3.13 ऐकिक नियम ,समय,कार्य व मजदूरी।

3.14 क्षेत्रफल तथा परिमाण।

3.15 आयतन -ठोस की मापें–लम्बाई ,चौड़ाई व ऊंचाई घन,व घनाभ, आयतन।

3.16 समय।

5. पर्यावरण अध्ययन

(प्रश्न पत्र के इस भाग में [illegible] अंकों के कुल 30 प्रश्न होंगे)

इकाई 1 – स्वयं के पर्यावरण को समझना –

पर्यावरण क्या है? पर्यावरण के घटक –सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक पर्यावरण के घटकों की अंतःकियाएं ,आज के संदर्भ में पर्यावरण के प्रमुख सरोकार, बच्चों के दृष्टिकोण से पर्यावरण की रोचकता।

इकाई 2– पर्यावरण के बारे में बच्चों की समझ

बच्चे की समझ ,बच्चे का दृष्टिकोण, 5 से 7 व 8 से 14 वर्ष के बच्चों की पर्यावरण के बारे में समझ ,कैसे पता करें, बच्चा पर्यावरण के बारे में क्या–क्या जानता है? बच्चे कैसे सीखते हैं? आवाज और अनुभव सीखने में समाज और वयस्क की भूमिका।

इकाई 3-- पर्यावरण अध्ययन क्यों पढ़ाएं ?

पर्यावरण अध्ययन पाठ्यकम के सरोकार ,अवधारणाओं का बनना, प्राथमिक स्तर पर सामाजिक अध्ययन की अवधारणाएं,कौशल क्या हैं ? कौशलों का विकास

इकाई 4– पर्यावरण अध्ययन का शिक्षण शास्त्र

विज्ञान शिक्षण ,सामाजिक अध्ययन शिक्षण ,कक्षा–कक्ष में शिक्षण कार्य – चित्रों को पढ़ना, बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को समझना, दिन– रात और ऋतुओं को समझना , समय नापना, नक्शे पढ़ना और समझना।

इकाई 5–पर्यावरण अध्ययन व कक्षा–कक्ष की गतिविधियां

गतिविधि क्या है ? प्रयोग सामग्री का संकलन,कक्षा–कक्ष में गतिविधि का आयोजन और संगठन, छोटे–छोटे प्रयोग–चर्चाएं, क्षेत्र भ्रमण, सर्वे, प्रोजेक्ट, पुस्तकालय– सीखने के संसाधन के रूप में, मूल्यांकन, अच्छा कक्षा–कक्ष।

इकाई 6– परिवार

आपसी संबंध, एकल एवं संयुक्त परिवार, सामाजिक बुराईयाँ (बाल विवाह, दहेज प्रथा, बालश्रम, चोरी), दुर्व्यसन (नशाखोरी, धूम्रपान) और इनके व्यक्तिगत, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणाम।

इकाई 7 अपने शरीर की देखभाल 4

अपने शरीर की देख–भाल, शरीर के बाह्य अंग और उनकी साफ–सफाई, शरीर के आंतरिक तंत्रों की सामान्य जानकारी, संतुलित भोजन की जानकारी और इसका महत्व; सामान्य रोग (आंत्रशोथ, अमीबियोसिस, मेटाहीमोग्लोबिन, एनीमिया, फ्लुओरोसिस, मलेरिया, डेंगू), उनके कारण और बचाव के उपाय, टीकाकरण एवं पल्स पोलियो अभियान।

इकाई 8 पारिस्थितिक तंत्र 4

पारिस्थितिक तंत्र की संरचना ,जैविक व अजैविक घटक ,खाद्य श्रृंखला व खाद्य जाल, पदार्थों का चक्रण।

कम्प्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञान

1. कम्प्यूटर का उपयोग– कम्प्यूटर का उपयोग कहॉ–कहॉ एवं किस लिए किया जाता है। इसकी सामान्य जानकारी।
2. कम्प्यूटर के प्रमुख भाग– सी.पी.यू. इनपुट डिवाईस, आउटपुट डिवाइस की सामान्य जानकारी।
3. प्रिंटर के प्रकार– इंकजेट, लेजरजेट, एवं अन्य प्रकार के प्रिंटर।
4. आपरेटिंग सिस्टम के नाम– एम.एस. डॉस, कमर्शियल एवं ओपन सोर्स, आपरेटिंग सिस्टम के नाम।
5. कार्यालय के उपयोग के लायक सामान्य माईक्रोसॉफ्ट ऑफिस के अंतर्गत वर्ड, एक्सेल, एवं पॉवर पाईन्ट की जानकारी।
6. इंटरनेट के उपयोग– ई–मेल डाक्यूमेंट सर्चिंग, वेबसाईट सर्फिंग विभिन्न सरकारी विभागों के वेबसाईट की सामान्य जानकारी।
7. एंटीवायरस के उपयोग– कम्प्यूटर वायरस से होने वाले नुकसान एवं कम्प्यूटर वायरस की सामान्य जानकारी।
8. मल्टीमीडिया के उपयोग– ऑडियों, वीडियों एवं टेक्स्ट का उपयोग करने की सामान्य जानकारी।
9. सी.डी./डी.व्ही.डी. से संबंधित सामान्य जानकारी।
10. गूगल, अलविस्ता, यू–ट्यूब की सामान्य जानकारी– सर्च इंजिन से वांछित जानकारी कैसे प्राप्त की जाए इसकी सामान्य जानकारी।

सामान्य ज्ञान

1. भारतीय राजनैतिक व्यवस्था एवं संविधान – मुख्य संवैधानिक प्रावधान, मौलिक कर्तव्य एवं अधिकार, सूचना का अधिकार, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय व्यक्तित्व, लोकतंत्र एवं चुनाव लोकसभा, राज्यसभा।
2. भारतीय इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन– भारतीय सभ्यता एवं सांस्कृतिक, ऐतिहासिक घटनाएं, (छ0ग0 बोर्ड के कक्षा 10वीं तक के पाठ्यक्रम स्तर तक), भारतीय स्वतंत्रता का इतिहास 1857 से 1947 तथा, 1947 के बाद का घटनाक्रम।
3. भूगोल– छत्तीसगढ़ बोर्ड के कक्षा 10 वीं तक के स्तर तक सामान्य भूगोल, भारत एवं विश्व का भूगोल।
4. भारतीय अर्थव्यवस्था – सामाजिक एवं आर्थिक विकास, जनसंख्या परिप्रेक्ष्य, सकल राष्ट्रीय उत्पादन और प्रति व्यक्ति आय, पंचवर्षीय योजनाएं, कृषि व ग्रमीण विकास, औद्योगिक विकास, भारतीय अर्थव्यवस्था, बैंक प्रणाली, वर्तमान आर्थिक घटनाक्रम (छ0ग0 बोर्ड के कक्षा 10वीं तक के पाठ्यक्रम स्तर तक)।
5. सामान्य विज्ञान– छ0ग0 बोर्ड के कक्षा 10वीं तक के स्तर तक भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं जीव तथा वनस्पति विज्ञान से संबंधित मूलभूत जानकारी।
6. छत्तीसगढ़ की सामान्य जानकारी– छत्तीसगढ़ का इतिहास, भूगोल, राजनैतिक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था शासकीय योजनाएं, पुरस्कार–सम्मान, परम्परायें लोकगीत–संगीत, महत्वपूर्ण व्यक्तिव एवं छत्तीसगढ़ से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषय।